गुरू ज्ञान ही जीवन को सफल बनाता है

उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), एवं गाँधी विद्या मंदिर, सरदारशहर के संयुक्त तत्वावधान मे राममंच, सोहन सभागार में गुरू पूर्णिमा पर्व पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्रिगेडियर अजयपति त्रिपाठी, सचिव, गाँधी विद्या मंदिर, श्री रामप्रसाद पारीक, अतिरिक्त सचिव, गाँधी विद्या मंदिर, श्री जितेन्द्र पारीक, रजिस्ट्रार, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), डॉ. रविन्द्र चौधरी, प्राचार्य, श्री भंवरलाल दूगड़ आयुर्वेद विश्वभारती, प्रो. मनीषा वर्मा, अधिष्ठाता, शिक्षा संकाय उपस्थित रहे। सर्वप्रथम परिसर में स्थित स्वामी श्री रामशरणजी महाराज, महात्मा गांधी एवं श्री भंवरलाल दूगड़ के विग्रह पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके पश्चात स्वामी श्री रामशरण जी महाराज के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। मंचासीन पदाधिकारीगण द्वारा समस्त प्रवृति प्रधानो का श्रीफल पट्टिका व तिलकार्चन द्वारा सम्मान किया गया। प्रो. मनीषा वर्मा ने अपने उद्बोधन में बताया कि अधंकार को हराकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को गुरू कहा जाता है। पुराणों के अनुसार गुरूपूर्णिमा को भगवान शिव की पूजा के लिए तथा भगवान बुद्ध को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है हमारे सामाजिक जीवन का आधार स्तम्भ गुरू है। डॉ. रविन्द्र चौधरी, प्राचार्य, श्री भंवरलाल दूगड़ आयुर्वेद विश्वभारती, सरदारशहर ने बताया कि गुरू सदैव हमें उपयोगी ज्ञान प्रदान करते है। जिससे हमारा जीवन सफल हो जाता है। कार्यक्रम में संस्थान की सभी प्रवृतियों के विद्यार्थियों द्वारा भजन, नृत्य, गुरूवंदना, श्लोक आदि की प्रस्तुतियाँ दी गई। धन्यवाद ज्ञापन ब्रिगेडियर अजयपति त्रिपाठी, सचिव, गाँधी विद्या मंदिर ने दिया। संचालन डॉ. रंजीता बैद, सहायक आचार्य ने किया कार्यक्रम में संस्थान के समस्त प्रवृति प्रधान, गुरूजन एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।